[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7777 **L**

Unique Paper Code : 2133100026

Name of the Paper : Philosophy of Language, DSE

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, NEP-UGCF-2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. भाषादर्शन की भारतीय परम्परा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 18
Describe origin and development of Indian philosophy of language.

अथवा / **Or**

पाणिनीय व्याकरण परम्परा में भाषा दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का प्रतिपादन कीजिए।
Delineate the prominent theories of language philosophy as depicted in Paninian grammatical tradition.

2. भारतीय भाषा दर्शन के प्रमुख विचारों एवं सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 18
Describe the major thoughts and theories of Indian language philosophy.

अथवा / **Or**

भर्तृहरि द्वारा प्रतिपादित भाषा दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।
Describe the prominent theories of language philosophy propounded by Bhartrihari.

3. संस्कृत भाषा दर्शन परम्परा के विकास में नागेश भट्ट के योगदान का वर्णन कीजिए। 18
Explain the contribution of Nagesha Bhatta in the development of Sanskrit philosophy of language.

अथवा / **Or**

P.T.O.

संस्कृत भाषा दर्शन परम्परा के किन्हीं तीन प्रमुख भाषा दार्शनिकों एवं उनके सिद्धान्तों का परिचय दीजिए।
Present an introduction of any **three** prominent Sanskrit language philosophers and their theories.

4. निम्नलिखित में से किसी **3** पर टिप्पणी लिखिए: 9 x 3 = 27

Write notes on any **three** of the following:

i) शिक्षा एवं प्रातिशाख्यों में ध्वनिविज्ञान Phonemics in Shiksha and Pratishakhyas,
ii) भाषादर्शन को यास्क का योगदान Contributions of Yaska to the philosophy of Language.
iii) जातिशक्तिवाद *Jatishaktivada*
iv) अभिहितान्वयवाद *Abhihitanvayavada*
v) संकेतग्रह *Sanketagraha*
vi) तात्पर्यार्थ *Tatparyartha*

5. निम्नलिखित में से किसी **1** पर **संस्कृत** में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 9 x 1 = 9

Write short note in **Sanskrit** on any **one** of the following:

अन्विताभिधानवाद *Anvitabhidhanavada*

अथवा / **Or**

वैदिकीवाक् *Vaidikivak.*